The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 4 | Issue 2 | February 2026
ISSN: 2583-973X (Online), SJIF IF: 5.6
Website: www.theacademic.in

ग्रामीण से शहरी भारत की ओर: माइग्रेशन और समाज

डॉ. राहुल भारती

सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र शासकीय महाविद्यालय जुन्नारदेव म. प्र.

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.19099601

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 19-02-2026

Published: 10-03-2026

Keywords:

प्रवास, पिछड़े क्षेत्र, जनजातीय क्षेत्र रोजगार, आदिवासी

ABSTRACT

ग्रामीण भारत उत्साहित भारत वास्तविक भारत की एक सच्ची तस्वीरें किंतु इससे भी ज्यादा गंभीर स् थिति माइग्रेशन की है माइग्रेशन को हिंदी रूपांतरण में प्रवास कहा जाता है प्रभास कई प्रकार का होता है किंतु हमारे भारत में रोजगार संबंधी प्रवास अत्यधिक देखा गया है क्यों मूल आता आदिवासी भारत एवं पिछड़े क्षेत्रों से अधिक देखा जाता है मध्यप्रदेश में यह पश्चिमी मध्य प्रदेश जो जनजातीय क्षेत्र है दक्षिणी क्षेत्रों मैं भी जनजातीय क्षेत्रों में अधिक देखा गया है जो रोजगार की तलाश में शहरी भारत की ओर रोजगार संबंधी कुछ दिनों के लिए वे संख्या जनसंख्या रोजगार की तलाश में उस जगह से सेहत की और प्रवास करती है यह एक। भारत की गंभीर स्थिति को हैं।

प्रस्तावना-

जनजातीय क्षेत्रों मैं सबसे अधिक जनजातीय जनसंख्या निवास करने वाले राज्य है यहाँ पर सबसे अधिक सिंह जनसंख्या निवास करती है। मध्यप्रदेश राज्य एक प्रगतिशील राज्य है यहाँ की जनसंख्या ज्यादातर जनजातीय है। मध्यप्रदेश राज्य मैं विकास विभिन्न प्रकार आओ में देखा जाता है है यहाँ पर मालवा क्षेत्र तुलनात्मक रूप से ही अन्य क्षेत्रों से अधिक विकसित है। मध्यभारत जिसमें भोपाल एवं उसके आसपास के क्षेत्र अधिक विकसित है दक्षिण में जनजातीय प्रदेश हे जाग विकास कम है उसी प्रकार मध्यप्रदेश भी सामान्यतः एक कम विकसित है। प्रदेश में जनजातीय जनसंख्या का प्रतिशत 21% है। मध्यप्रदेश राज्य एकविकासशील राज्य है।मध्यप्रदेश में गरीबी बेरोजगारी शिक्षा आंधी की बहुत अधिक समस्याएँ एवं किसी न किसी तरह से जनसंख्या अपने कार्य के लिये प्रवास करती हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार मध्यप्रदेश एक चौथा गरीब राज्य है।राज्य की लगभग 36% आबादी गरीबी रेखा के नीचे निवास करती है।किसी भी राज् के लिए प्रभास उसकी परिस्थितियां बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अन्य राज्यों में हम देखें जैसे बिहार उसकी स्थिति भी ऐसी ही बनी हुई है वहाँ का प्रवास कई राज्यों में अधिक है जो कि उसकी परिस्थिति के अनुसार है। मध्यप्रदेश में बेरोजगारी भी एक बहुत गंभीर मुद्दा है जिसमें लाखों युवा भी बेरोजगार हैं। ये सारी परिस्थितियां प्रवास ग्रामीण भारत से ग्रामीण भारत की ओर होता है। देश में हम कई शहरों में पलायन या प्रवास देखते हैं जिससे दिल्ली एवं मुंबई जैसे शहरों में अधिक प्रवास रोजगार सी देखा गया हे यहाँ पर अन्य राज्यों से युवा शिक्षा

रोज़गार और किसी कार्य से भी दिल्ली की ओर प्रवास करते हैं कई राज्य जो विकासशील श्रेणी में आते हैं जिनकी जनसंख्या ग्रामीण भारत में निवास करती है उनका उनका पलायन अधिक है किसी भी प्रवास यहाँ किसी भी तरह का प्रवास किसी राज्य किसी शहर के लिए घातक से होते हैं क्योंकि जनसंख्या बढ़ोतरी के साथ रहने की समस्या एवं मूलभूत समस्या है किसी शहर पर अधिक दबाव डालती है।

प्रवास की प्रकार

1. रोजगार संबंधी प्रवास

इस प्रकार के प्रवास में ये देखा जाता है कि किसी भी राज्य की जनसंख्या या किसी शहर की जनसंख्या या ग्रामीण जनसंख्या रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों की ओर यहाँ सहरो की ओर या किसी विकसित क्षेत्र की ओर प्रवास करती है हमारे देश में रोजगार संबंधी प्रवास सबसे अधिक देखा गया है इस प्रकार का प्रवास मौसमी भी होता है जो मौसम के अनुसार कार्यों को करना पड़ता है क्या कार्य के अनुसार वर्ष मी कुछ महीने प्रवास किया जाता है ये है सबसे अधिक देखा गया है रोजगार मैं नौकरी की तलाश में कई प्रकार की कामों की तलाश में युवा एक राज्य से दूसरे राज्य पलायन करते हैं। अगर सभी प्रकार के रोजगार संबंधी प्रवास का प्रतिशत देखें तो यह लगभग 38% के आसपास बना हुआ है जो कि अधिक दर है।

2. शिक्षा संबंधी प्रवास

इस प्रवास में शिक्षा ग्रहण करने अन्य राज्य से विकसित है राज्यों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए, हम देखते है की दिल्ली मैं ये प्रवास अधिक देखा गया है एवं मध्यप्रदेश के संदर्भ में देखें तो इंदौर भोपाल जैसे शहरों में ग्रामीण मध्यप्रदेश से अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के लिये इस तरह का प्रवास करते हैं यह प्रवास कुछ सालों तक ही बना रहता है लेकिन ये लगातार रहता है।

3. कृषि संबंधित प्रवास

इससे प्रवास में कृषि कार्य है तू एक अल्प समय के लिए एक क्षेत्र से अन्य क्षेत्रों की हो और पलायन करती है जी प्रवास भी कुछ समय या मौसमी तरह का होता है कार्य के अनुसार जिससे कटाई के लिए प्रवास बुवाई के लिए प्रवास ये है प्रवास कम समय के लिए रहता है किंतु मौसम के अनुसार कृषि के कार्य के लिए होता है इस प्रकार का प्रवास पंजाब राज्य में अधिक देखा गया हैं।

4. मौसमी संबंधित प्रवास
   इससे प्रकार का प्रवास वर्ष के कुछ महीनों तक होता है एवं कुछ महीनों नहीं रहता हैं। इस प्रकार का प्रवास कृषि संबंधित में अधिक देखा जाता है इससे मौसमी प्रवास कुछ वर्ष के होता हैं।कुछ समय प्रवास होता है और कुछ महीने नहीं होता है।
5. जीवन यापन के उच्च मानक उच्च मजदूरी प्रवास /
   आर्थिक प्रोत्साहन संभावित प्रवासियों के लिए सबसे बड़ा धकेलन और आकर्षक दोनों तरह के कारक प्रदान करता है। अधिक विकसित देशों में जाने वाले लोग अक्सर यह पाएंगे कि वे जो काम गृह राज्य में रहे थेवही काम विदेश में उच्च , मजदूरी के साथ किया जाता है। साथ ही साथ उन्हें कल्याणकारी लाभों का एक बड़ा सुरक्षा तंत्र इन देशों में मिलता है।
6. श्रमिक मांग प्रवास

लगभग सभी विकसित देशों ने यह पाया है कि उन्हें अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं को मजबूती प्रदान करने के लिए प्रवासियों के रूप में अर्ध कुशल श्रमिकों की आवश्यकता है। हालांकि अधिकांश विनिर्माण अब विकासशील देशों के लिए आउटसोर्स कर दिए जाते हैंलेकिन सेवा क्षेत्र बढ़ने के कारण धनी देशों में कम , कौशल वाले रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। ये अर्थव्यवस्थाएं लाखों रोजगार पैदा करती हैं जो कम वेतन और पेशेवर उन्नति के न्यूनतम अवसर के कारण घरेलू श्रमिकों को इतना लुभा नहीं पाती हैंजिसका लाभ प्रवासियों को मिलता है। ,

7. राजनीतिक और धार्मिक स्वतंत्रता प्रवास

बहुत हद तक भेदभाव और उत्पीड़न लोगों को उनके घरेलू देशों को छोड़ने के लिए बाध्य करता है। धर्मराजनीतिक ,जाति , विचारों और इस तरह की अन्य सहिष्णु सरकारी नीतियां कुछ देशों को प्रवासियों के लिए आकर्षक बनाती हैं।

प्रवास रोकने के उपाय

हम ये देखते हैं कि प्रवासी एक भौतिक घटना है जिसमें एक निश्चित समय के लिए एक जनसंख्या दूसरी जगह है पर कुछ समय के लिए निवास करती है चाहे वे शिक्षा रोजगार कृषि कार एवं अन्य प्रकार हो सकता है प्रभास को रोकने के लिए यह आवश्यक है की हाँ उस क्षेत्र की की मूलभूत समस्याओं को सुधारें अगर उस क्षेत्र की मूलभूत समस्याएं ठीक रहती है तो प्रवास की समस्या बनी ही नहीं पायेगी अगर हम उस समाज को बनाने में अधिक ध्यान देते हैं जहाँ पर शिक्षा का स्तर अधिक हो तो शिक्षा संबंधी प्रवास किसी अन्य शहरी या किसी अन्य राज्य में नहीं हो पायेगा हमें एक मजबूत शिक्षा व्यवस्था करना पड़ेगा। रोजगार के संबंध में जो प्रवास होता है वही अत्यधिक बड़े स्तर पर होता है हम देखते है की भारत में यह प्रवासों कई राज्यों के शहरों में होता है बेरोजगारी की समस्या हर जगह रहती है इसमें हम प्रभास को रोकने के लिए राज्यों और शहरों में एवं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में एक संतुलन बनाकर इस प्रवास को काफी हद तक रोका जा सकता है शैक्षणिक कुशलता बनाकर या कौशल विकास को अधिक महत्त्व देकर हम इस प्रकार के प्रवास को अधिक रोक सकते हैं। कृषि संबंधी प्रवास के पीछे मूलभूत समस्या रोजगार की है अगर किसी राज्य में रोजगार की असीम संभावना है रहती है तो अन्य राज्यों में नहीं जाएंगे एवं प्रवास की समस्या खत्म हो जाएंगे हमें रोजगार को अत्यधिक मजबूती सेइसमें विकास करना होगा।

निष्कर्ष-

प्रवास की समस्या एक गंभीर समस्या हैं क्योंकि ये हमारी मूलभूत समस्याओं से जुड़ा हुआ है शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार नौकरी ये किसी भी समाज की मूलभूत आवश्यकता है इन आवश्यकताओं को पूरा होने पर समाज विकासशील से विकसित होने पर सारी समस्याएं खुद ही समाप्त हो जाएगी ये अवश्यक है कि समाज में शिक्षा का स्तर अधिक मजबूत होना चाहिए जिससे अन्य राज्यों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए नहीं जाना पड़ेगा रोजगार को हम कौशल विकास से जोड़ सकते हैं जिससे वह खुद भी रोज़गार प्रारंभ करेगा अन्य लोगों को रोजगार प्रदान करने में सहायता करेगा रोजगार संबंधित प्रवास को इससे रुका जा सकता है अतः हम कह सकते हैं कि प्रवास की समस्या एक गंभीर समस्या है किंतु अनेक उपायों से हम इसे रोक सकते हैं को विकसित राज्य है जहाँ पर पलायन नाममात्र का होता है क्योंकि वहाँ पर हर स्तर अधिक मजबूत है अट्टे हमें अपने स्तर को अधिक हर क्षेत्र में करना होगा।

संदर्भ सूची

- Jindal, Nirmal और Kamal Kumar (2019): "Global Politics: Issues and Perspectives" पुस्तक ,SAGE Publications
- Samuel, John और Susan George (2002): "Globalization, Migration and Development" पुस्तक Canadian Studies in P
- https://www.mdpi.com/2313-5778/7/3/61
- https://www.weforum.org/publications/global-risks-report-2022/in-full/chapter-4-barriers-to-migration/